



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

१८

१९८९/१८

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

क्र. 16]

नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 25, 1989/माघ 5, 1910

No. 16]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 25, 1989/MAGHA 5, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली जाती है जिससे फिर यह असाधारण संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वाणिज्य मन्त्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं ९४ आईटी सी (पी एन) ८८-९१

नई दिल्ली, 25 जनवरी, 1989

प्रिय — १९८८-८९ के लिए जापानी अनुदान सहायता के अन्तर्गत उपस्कर और सेवाओं के लिए लाइसेंसिंग शर्तें — (१) क्षेत्रीय केन्द्र केन्द्र में विकित्सा उपस्कर के मुधार के लिए ६४१ मिलियन येन और (२) इन्दिगा गांधी राष्ट्रीय खुला विष्वविद्यालय के शैक्षिक प्रौद्योगिकी उपस्कर के मुधार के लिए ६११ मिलियन येन।

फाइल सं आई पी सी २३(५) ८८-९१—१९८८-८९ वर्ष के लिए जापानी अनुदान सहायता के अन्तर्गत (१) क्षेत्रीय केन्द्र केन्द्र में विकित्सा उपस्कर के मुधार के लिए ६४१ मिलियन येन (२) इन्दिगा गांधी राष्ट्रीय खुला विष्वविद्यालय के शैक्षिक प्रौद्योगिकी उपस्कर के मुधार के लिए ६११ मिलियन येन के उपस्कर और सेवाओं को शामिल करने वाली शर्तें जो इस सार्वजनिक सूचना के परिषिष्ट में दी गई हैं सूचना के लिए अधिसूचित की जाती है।

के भी, इरनोराया, मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात

वाणिज्य मन्त्रालय की सार्वजनिक सूचना सं ९४ आईटी सी (पी एन) ८८-८९ दिनांक २५-१-८९ का परिषिष्ट

क्षेत्रीय केन्द्र केन्द्रों के विकित्सा उपस्कर के सुधार हेतु वर्ष १९८८-८९ के लिए ६४१ मिलियन येन की जापानी अनुदान सहायता के अन्तर्गत क्षेत्रीय केन्द्र केन्द्रों हेतु विकित्सा उपस्कर की खरीद करने और आवश्यक सेवाओं को स्थापित करने उपस्कर का भारतीय बनवागाहो। पर परिवहन और उमके आन्तरिक परिवहन के संबंध में लाइसेंसिंग शर्तें।

खंड-१ सामान्य शर्तें

१ (१) वर्ष १९८८-८९ के लिए जापानी अनुदान सहायता की ६४१ मिलियन येन धनराशि को निम्न कार्य के लिए प्रयोग करने का निष्काय किया गया है —

(१) क्षेत्रीय केन्द्र केन्द्रों के लिए फैट स्केनर और अनुपूरक उपस्कर और आवश्यक सेवाओं की स्थापना करने के लिए आयात उपस्कर का परिवहन करने के लिए (४०६ ४ मिलियन येन)।

(२) मद्रास केन्द्र सम्मान के लिए डायग्नोस्टिक उपस्कर और आवश्यक सेवाओं की स्थापना के लिए आयात/उपस्कर का परिवहन करने के लिए (२३४ ६ मिलियन येन) २३४ ६

मिलियन येन में से 26.5 मिलियन येन की धनराशि को जापान से परामर्शी सेवाओं की अधिप्राप्ति के लिए रखा गया है।

1(2) इस अनुशासन सहायता के अन्तर्गत आयात लाइसेंस जिसकी धनराशि 705 मिलियन येन (सी.आई.एफ.) से अधिक नहीं होनी चाहिए और उसे आयातके नाम में और उस पर 1988-89 के लिए आयाती अनुशासन सहायता "641 मिलियन येन" अधिभेदित किया जाना चाहिए। प्रथम और द्वितीय प्रत्यय के लिए लाइसेंस में "एस/जे.एन" कोड होगा। तथापि, खुले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत आने वाली मदों के लिए किसी आयात लाइसेंस की आवश्यकता नहीं है।

1(3) इस सहायता अनुदान के अन्तर्गत उपस्कर और भेदभागों की अधिप्राप्ति जापान/भारत से की जाए। खरीद आदेश केवल जापानी संभरकों को ही दिये जाए।

1(4) आयात लाइसेंस को सी.आई.एफ. आधार पर जारी किया जाएगा और आरंभ में इसकी वैधता 31-3-89 तक ही होगी।

1(5) संविदा में जापानी संभरक द्वारा भारतीय बैंक, टोकियो को नौवहन प्रतियों के प्रस्तुतीकरण पर नकद अवायी करने की व्यवस्था होनी चाहिए। इसमें वितरण अधिधि के लिए निम्न प्रकार से उल्लेख किया जाए। "वितरण को 15-3-1989 तक पूरा किया जाए"।

1(6) ठेके की जहाज पर्यन्त निष्पुल लागत द्वारा भाड़ा मूल्य येन में (येन की मिश्र के बिना) अधिभक्त होना चाहिए और उसमें भारतीय अभिकर्ता का कमीशन, यदि कोई हो, तो वह शामिल नहीं होना चाहिए। किसी भी हालत में संविदा का मूल्य किसी अन्य मुद्रा में अधिभक्त नहीं किया जाना चाहिए।

जहाज पर्यन्त मूल्य और भाड़ा राशि को अलग अलग दर्शाया जाए परन्तु संविदा में यह स्पष्टीकरण कर दिया जाना चाहिए क्यों भाड़ा वास्तविक आधार पर अवा किया जाएगा या भाड़ा प्रभारी, वास्तविक प्रभारों को मदै नजर रखें तिना ही अवा किया जाएगा।

1(7) खरीद संविदा केवल जापानी येन में और जापानी राष्ट्रियों के साथ की जाए।

1(8) इस अनुदान सहायता के अन्तर्गत माल और सेवाओं की अधिप्राप्ति खुली निविदा के आधार पर की जाएगी और वह जापानी संभरकों तक सीमित होगी और ठेका निम्नतम मूल्यांकन वाले एवं तकनीकी रूप से स्वीकार्य बोलिकार को दिया जाएगा। यदि किसी मामले में यह सुनियाया जाता है कि इस अनुदान के अन्तर्गत माल और सेवाओं की अधिप्राप्ति सीधी बातचीत के जरिए की जाए तो आर्थिक कार्य विभाग (जापान, अनुभाग), वित्त मंत्रालय के माध्यम से जापान सरकार की पूर्ण अनुमति प्राप्त कर ली जाए।

खंड 2—संभरण ठेके में निम्नलिखित उपबन्धों को विशेषतः शामिल किया जाए।

2(1) ठेके को व्यवस्था वर्ष 1988-89 के लिए 641 मिलियन येन अनुशासन सहायता के संबंध में 8 नवम्बर, 1988 को हुए भारत सरकार और जापान सरकार के बीच समझौते के बीच समझौते के अनुसरण में दोनों सरकारों की स्वीकृति के प्रधार्थीत की जाए।

2(2) संभरकों को आवायियां "अवायी के लिए प्राधिकार" (ए/पी) जो कि नियन्त्रक, सहायता लेखा और लेखा परीक्षा, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, युको ईंक विलिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001 द्वारा 1988-89 के लिए जापानी अनुशासन सहायता के अन्तर्गत भारतीय ईंक टोकियो के नाम में जारी किया जाएगा।

2(3) जापानी संभरक ऐसी सूचना और प्रेसों को जो कि एक और भारत सरकार की ओर से और दूसरी ओर जापान सरकार की ओर से अपेक्षित हो, प्रस्तुत करने को सहमत होगा।

2(4) जापानी संभरक भारतीय द्वारा आयों के परामर्श से पोतलदान व्यवस्था के लिए सहमत हो जाता है तो वह पोतलदान के कम से कम इस पूर्व निहित माल के वितरण कार्यक्रम के संबंध में भारतीय द्वारा आयों को सूचित करेगा ताकि उचित व्यवरया की जा सके। अपवाह के मामलों में यदि आयातक आदे तो इस अधिधि को कम किया जा सकता है। जापानी संभरक को प्रत्येक पोतलदान का आवश्यक विवरण देने हुए एक तार आयातक को और उगकी एक प्रति भारतीय द्वारा आयों को भेजने के लिए सहमत होता चाहिए।

खंड 3—भारत सरकार नया जापान सरकार द्वारा ठेके की स्वीकृति।

3(1) जैसे ही आदेशों की अनियम रूप दे दिए जाएं लाइसेंसधारी को दोनों पार्टियों द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित ठेके की पांच प्रतियां जापानी संभरकों को भारतीय आयातक द्वारा दिए गए क्रम आवेदन के साथ जापानी संभरक द्वारा नियित रूप में पुष्टिकरण आदेश की 5 प्रतियां (एक मूल और 4 फोटो कपियां) या मध्ये प्रकार से फोटो कपियां जिसके साथ निविदा मूल्यांकन रिपोर्ट की दो प्रतियां और दो प्रतियां के साथ अनुबंध 1 के प्रवन्ध में "ए/पी जारी करने के लिए आवेदन पत्र" में अवधार मन्त्रिवाल (टी.सी.) आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, नार्थ ब्लाक, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए। उपर्युक्त प्रक्रिया संविदा की विषय अस्तु या उसकी कीमत के प्राप्तव्यक उपालंबणों से उत्पन्न सभी संविदा संशोधनों के लिए भी लागू होगी।

3(2) वित्त मंत्रालय (डी.ई.ए.), जापान अनुभाग 1988-89 के लिए 641 मिलियन येन की जापानी अनुशासन सहायता के भीतर वित्तवान देने के लिए मंत्रिवाल की दो प्रतियां जापान सरकार को अनुमोदन के लिए भेजेगा, और इसी के साथ-साथ अपर्युक्त (1) में उल्लिखित दस्तावेजों का एक-एक सेट लेखा व लेखा परीक्षा नियन्त्रक और भारतीय द्वारा आयों को भी भेजा जाएगा।

3(3) जापान सरकार से ठेका अनुमोदन प्राप्त करने के उपरान्त वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग का जापान अनुभाग, नार्थ ब्लाक इसके बारे में सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियन्त्रक आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, युको ईंक विलिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001 को सूचना देगा जो कि जापानी संभरक को भुगतान करने के लिए ईंक आफ ईंडिया, टोकियो को अनुबंध 2 के अनुसार एक "भुगतान प्राधिकार" (ए/पी) जारी करेगा। प्राधिकार (ए/पी) की प्रतियां भारत का द्वारा आयों को भेजनी आयातक, भारत में आयातक का बैंक और जापान अनुभाग, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय की भेजी जाएगी।

3(5) पोतलदान करने के बाद जापानी संभरक अपने बैंकरों के माध्यम से (ए/पी) में उल्लिखित दस्तावेज बैंक आफ ईंडिया, टोकियो को प्रस्तुत करेगा। यदि दस्तावेज सही पाए गए तो बैंक आफ ईंडिया टोकियो दस्तावेजों में उल्लिखित धनराशि जापानी संभरक को अपने बैंकरों के माध्यम से रिलीज करेगा।

3(6) जापानी संभरक को भुगतान की व्यवस्था करने के लिए बैंक आफ ईंडिया, टोकियो को वैय बैंकिंग प्रभारों के भुगतान की व्यवस्था भारत का द्वारा आयों को भेजनी ईंडिया, टोकियो द्वारा आयातक प्रभारों के समान रूपये की आवायी सी.ए.ए. एंड ए., नई दिल्ली से उपर्युक्त सूचना प्राप्त होने पर आयातक विभाग द्वारा लेखा नियन्त्रक, विवेश मंत्रालय, नई दिल्ली की की जाएगी।

खंड 4—राशा जमा करने के लिए उत्तरवाचित्व।

4(1) मूल विनियम पोतलदान प्रेसेट निरपेक्ष रूप से बैंक प्रभारों ईंडिया, टोकियो द्वारा भारत में आयातक के सम्बद्ध बैंक को भेजे जाएंगे जो भारतीय स्टेट बैंक या किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक जो अनुबंध 1(ए) में उल्लिखित हो की आयों होनी चाही उस बैंक को दस्तावेजों के बैंक

विनियम सेट केवल इस भाव का सुनिश्चित कर लेने के बाद ही सम्बद्ध आयातक को देने चाहिए कि जापानी सभरक को अकाई गई येन भुगतान की धनराशि के बराबर रुपया 12-10-1976 की मार्वजनिक सूचना स 103/आई टी सी (पी एन)/76 द्वारा यथामशोधित 31-5-1974 की सार्वजनिक सूचना स. 74-आई टी सी (पी एन)/74 की अनुमान भरकारी जमा कर दिया गया है।

येन भुगतान की धनराशि के बराबर रुपये की गणना करने के लिए अपनाई जाने वाली विनियम वर मुख्य नियत्रक आयात-नियति की सार्वजनिक सूचना से 8 आई टी सी (पी एन)/76 दिनांक 17-1-1976 ने निर्धारित मुद्रा विनियम की मिथित वर हानी या वह दर होगी जो कि मुख्य नियत्रक आयात नियति की सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से या भारतीय रिजर्व बैंक के मुद्राविनियम नियन्त्रण परिषद्वारा के माध्यम से सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित की जाए। इस मंबद्ध में कोई भी परिवर्तन जब और ऐसे ही आवश्यक होगा अधिसूचित कर दिया जाएगा। इस बास का सुनियत्रण करने का उत्तरदायित्व सभवित भारतीय बैंक का होगा कि आयात दस्तावेज आयातकों को सौंपने से पहले देय धनराशि मरकारी जाते भए विधिवत रुप से जमा कर दी गई है। आयातकों को भी अपने बैंकों से दस्तावेज लेने से पूर्व यह सुनियत्रय कर लेना चाहिए कि देय धनराशि सरकारी जाते भें टीके से जमा कर दी गई है। आयातक की यह जिम्मेदारी है कि वह सुनियत्रय करे कि आयात-रुप स्थितियों से सीमावृत्ति प्राधिकारियों से माल का विनाश प्राप्त कर लेन पर धनराशि सरकारी लेखे में शीघ्र जमा कर दी गई है। यदि आयातक माल की सुरुदगी लेने से पहले सरकार की देय धनराशि जमा करने से असफल रहता है तो उसे आगे और प्राधिकार पर जारी करना रोक दिया जाए। और मामले की रिपोर्ट मुख्य नियत्रक, आयात नियति को भी जानी चाहिए ताकि ऐसे आयातक को आगे और लाइसेंस जारी न किया जा सके। केन्द्रीय सरकार के विभागों द्वारा किए गए ऐसे आयातों के नशध में कोई व्याज प्रभार लागू नहीं होगे। जिस लेखा शोध में उपयुक्त रुपया जमा करना चाहिए वह “के इंपोरिट्स एण्ड एक्सपोर्ट्स 844-मिशिन डिपोर्ट्स फार परवेजिज एटसेक्ट्रा एडाल पर-सेक्युरिटीज एण्डर ग्राट एड काम दि गवर्नेंट आफ जापान” फार 1988-89’ ग्रान्ट फार परवेज श्राफ भोड़कल इकिवर्मेट एड सर्विसेज नेंसेमरी कार वी इन्टरलेशन/इन्स्पीरेटेशन श्राफ इकिवर्मेट है।

4(2) चालाने के बाए कोने में कोड सं 513000009 शृण्टि हुए उपयुक्त धनराशि या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली में या स्टेट बैंक श्राफ इंडिया, तीस हजारी, दिल्ली में सरकार की माल में नकद जमा होनी चाहिए या यदि वह सुविधाजनक त हो तो स्टेट बैंक श्राफ इंडिया की किसी शाखा या इसके अनुप्रीक्षी किसी भी राज्यीयकृत बैंक (द्विषीकृत) में प्राप्त एक हुंडी (द्विषीकृत) के माध्यम से स्टेट बैंक श्राफ इंडिया तीस हजारी शाखा, दिल्ली-6 (हुंडी शायर और प्राप्त) में मार्वजनिक सूचना स 184-आई टी सी (पी एन)/68 दिनांक 30-8-1964, स. 233-आई टी सी (पी एन)/68 दिनांक 24-10-1968 और 132-आई टी सी (पी एन)/71 दिनांक 5-10-1971 स 74-आई टी सी (पी एन)/74 दिनांक 31-5-1974 और स. 103-आई टी सी (पी एन)/76 दिनांक 12-10-1976 में निर्धारित सरकारी लेखे में जमा करने के लिए धनराशि करना चाहिए।

4(3) सरकार द्वारा ऐसी माम विवाद सात दिनों के अन्दर सम्बद्ध भारतीय बैंक भी उपयुक्त निर्धारित तरीके से वह अतिरिक्त धनराशि सेवा खर्चों के नियत भेजेगा या भारत सरकार द्वारा माम जाए। चालान के विभिन्न कालमों को भरते समय आयातकों/उनके बैंकों को इस बात का सुनियत्रय कर लेना चाहिए कि मार्वजनिक सूचना सं 132 आई टी सी (पी एन)/71 दिनांक 5-10-1971 के पैरा 2 में निर्धारित रूचना स 103-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-1976 के साथ पढ़ी जाने वाली सार्वजनिक सूचना स 74-आई टी सी (पी एन) 74 दिनांक 31-5-74 में निर्धारित सूचना चालन के कानून “वन परेण्य

धीर प्राप्तिकारी (यदि कोई ही वे पूर्ण व्यंगे) से निपटने के लिए यह भी ज्ञाना चालन में नियन्त्रित व्यंगे निरपेक्ष रूप से प्राप्त रहने चाहिए।

(व) दित्त स्वाक्षर भुगतान के लिए प्राधिकार पद (ए.पी.) की संम्मति और दिनांक

(ख) देन सूचा की वह धनराशि जिसके सबध में अपमाई गई परिवर्तन की दर के साथ निक्षेप विए जाने हैं।

(ग) जापानी सभरक को भुगतान करने की तिथि।

(घ) चुकाए गए व्याज की धनराशि और वह प्रदधि जिसके लिए ये गिना जाया है।

(ङ) जमा की गई कुल धनराशि।

तत्पश्चात् सी.ए.ए. एण्ड ए द्वारा जारी किए गए भुगतान के लिए प्राधिकार पद का सर्वध वेते हुए और बीजक तथा पीत परिवहन दस्तावेजों की प्रतियों को सलगन करने हुए यजाना चालन रुपया जमा करने का साध्य रेते हुए पंजीकृत डाक द्वारा सी.ए.ए.एण्ड ए. को भेजा जाना चाहिए।

टिप्पणी.—भारत में आयातक के बैंक के यह सुनियत्रय करना चाहिए कि रुपये का निक्षेप बैंक श्राफ इंडिया, टोकियो से आयाती की सूचना और विनियम योत्तलादात दस्तावेजों की प्राप्ति के 10 दिनों के अन्दर निरपेक्ष रूप से किया जाना चाहिए और यह कि इसके तत्काल बाय सी.ए.ए.एण्ड ए.वि.त भवालय (आर्थिक कार्य विभाग), दिल्ली को सूचित कर दिया जाएगा।

4(4) भारत में सम्बद्ध बैंक को लाइसेंस की मुद्रा विनियम नियन्त्रण प्रति पर रुपया निक्षेपों की धनराशि का पृष्ठाकान बदला चाहिए। अपेक्षित “एल” प्राप्त भारतीय रिजर्व बैंक, अम्बई को भेजी जानी चाहिए।

खण्ड 5—विधिध प्रावधान

(1) अनुदान सहायता के उपयोग की रिपोर्ट

भुगतान के लिए प्राधिकार पद जारी होने के बाद आयातक को पोतलादानी और उसके अधीन किए गए भुगतानों के सबध में और जो पोतलादान होना चाही है, उनके विषय में एक मासिक रिपोर्ट सी.ए.ए.एण्ड ए. आर्थिक कार्य विभाग, वित भवालय, यूको बैंक विलिंग, संसद भारत, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए।

आयातक को चाहिए कि वह इस अनुदान सहायता के प्रत्यार्थी माल से सबधित किसी ऐसी विशेष शर्त से सभरक को अवात कराए जो समझौते का पालन करने में सभरको पर प्रभाव आली हो।

5(2) विवाद .

यह समझ लेना चाहिए कि आयातक और संभरको के बीच में यदि कोई विवाद होगा तो उसके लिए भारत सरकार कोई उत्तरदायित्व नहीं लेगी। बैंक श्राफ इंडिया, टोकियो द्वारा भुगतानों से पूर्व संभरक द्वारा पूरी की जाने वाली शर्तें-साफ साफ “भुगतानी के नियमों में” अनुबंध-1 में आयातक द्वारा दर्शायी जानी चाहिए। विवादों से निपटने की शर्तें में शामिल होनी चाहिए।

5(3) भावी अनुदान

आयातों या उसके सबध में उठने वाले किसी भावले या सभी सामलों से गवांधित जापान से 1988-89 के लिए अनुदान सहायता के अधीन सभी आयातों को पूर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा समय समय पर जारी किए गए नियंत्रणों या आदेशों का आयातक को तुरन्त पालन करना होगा।

5(4) अतिक्रमण या उत्तरधन

उपर्युक्त बड़ों में निर्धारित की गई शर्तों के अतिक्रमण या उत्तरधन करने पर आयात नियति (नियन्त्रण) अधिनियम के अधीन उकित कार्यवाही की जाएगी।

5(5) अनुबन्धों की सूची

अनुबन्ध 1 भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए.पी.) जारी करने के लिए आवेदन करने का प्रपत्र ।

अनुबन्ध-2 भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए.पी.) का प्रपत्र ।

अनुबन्ध- 1

“भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए प्रार्थना पत्र”
संख्या

दिनांक

सेवा में

सहायता लेखा तथा नेत्रा प्रीक्षा निवेदक,
वित्त मंत्रालय, प्राधिक कार्य विभाग,
यू. सी. ओ. बैंक बिल्डिंग, प्रथम मंजिल,
पालियामेट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001

विषय:—1988-89 के लिए 641 मिलियन येन का जापानी रुपूर्णता
सहायता के अन्तर्गत डाकटरी उपस्कर और आवधक सेवाओं
की स्थापना हेतु खरीद करना/उपस्कर का परिवहन करना ।

महोदय,

ऊपर उल्लिखित अनुदान सहायता के अधीन जापान से उपर्युक्त उपस्कर के प्रायात के संबंध में हम आपको निम्नलिखित अधौरा भेजते हैं जिसके लिए आप अनुदान के संभरक के पक्ष में बैंक आफ इंडिया, टोकियो को भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए.पी.) जारी कर सकें—

(क) भारतीय आयातक का नाम और पता ।

(ख) आयान लाइसेंस की सं., दिनांक और मूल्य और वह तिथि जब तक यह बैंध है ।

(ग) अधिग्राहित के तरीके । क्या यह प्रत्येक खरीद पर आधारित है या सीमित खुली निविदा पर आधारित है । हम मामले में कारणों सहित यह निर्दिष्ट करना है कि क्या सविदा का निर्णय उपर्युक्त सकनीकी प्रस्ताव के आधार पर किया गया है ।

(घ) माल का संक्षिप्त विवरण ।

(ङ) माल का उत्तराधिकार ।

(च) संविदा का कुल लागत और भावा मूल्य (येन में) ।

(छ) यदि कोई हो तो, भारतीय रूपए में भारतीय एजेट के कर्मजन की धरणीयि ।

(ज) वह यदृ लागत तथा भावा मूल्य (येन में) जिसके लिए भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र की आवश्यकता है ।

(झ) संभरकों के साथ की गई संविदा का नाम और दिनांक ।

(त) संभरक का नाम और पता ।

(ट) वे भुगतान शर्तें और संभावित तिथि जिनकी सविदाओं के अन्तर्गत मुगतान देय होंगे ।

(झ) सुपुर्दगी पूर्ण करने की प्रत्याशित तिथियां ।

(ड) बैंक आफ इंडिया, टोकियो को भुगतान करने समय प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेज (प्रत्येक टीट की संख्या और उनका निपटान दर्शाने हुए) ।

(ड) पोलिदान अनुदेश (वाहन्तरण/पार्टिशिपमेंट) की अनुमति दी गई है या नहीं निर्दिष्ट कीजिए ।

(ण) भारत में आयातक के बैंक का नाम और पता ।

(त) आयातक द्वारा वचनबद्धता:—“हम एतद्वारा वचन देते हैं कि हम एवं विदेशी संभरक को वेय धनतात्रीशि के सम्बुद्ध रूपण की पूर्ण धनतात्रीशि को सरकार द्वारा निर्धारित किया विधि से और प्रकलित वर पर सही रूप से जमा करवा देंगे । माल (आयातित सामग्री) के प्रत्येक परेण की सुपुर्दगी प्राप्त करने से पूर्ण राशि शेष नहीं होगी जमा करवा दी जाएगी । विदेशी राशियों की सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में, जैसे ही हमारे द्वारा विदेशी संभरक के संगत बीजक अनुमतिश किए जाते हैं और संभरक का भुगतान किया जाता है वैसे ही राशि जमा करवा दी जाएगी ।”

भवदीय,

अनुबन्ध—2

भुगतान के लिए प्राधिकरण में

संख्या —————— एफ

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

प्राधिक कार्य विभाग

नई दिल्ली, दिनांक

सेवा में

बैंक आफ इंडिया,

टोकियो शाखा,

टोकियो (जापान)

विषय:—1988-89 के लिए 641 मिलियन येन का जापानी अनुदान सहायता के अन्तर्गत उपस्कर और आवधक सेवाओं की स्थापना हेतु खरीद करना/उपस्कर का परिवहन करना । प्राधिकार पत्र जारी करना ।

प्रिय महोदय,

आपके बैंक के नाम को किए गए समझौते की शर्तों के अनुसार आपको एशियाई परिविष्ट में दिए गए यथा संलग्न बैंकों के अनुमति सर्व श्री बैंक आफ इंडिया के भुगतान के लिए प्राधिकृत किया जाता है ।

2. कृपया सुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए.पी.) की पक्षता वे बैंकों में संभरक का सूचना दे और इनकी प्रत्येक सूचना पत्र की एक प्रति जापान सरकार आयातक बैंक भारत राजदूतावास, टोकियो और हरे संशालय को पृष्ठांकित की जाए ।

3. भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र की शर्तों के अनुमान “भुगतान परिविष्ट में यथा नदान बन्दावेजों के आधार पर किया जाएगा ।

4. आयान द्वारा आपको दस्तावेज ‘संभरको ग्रंथ बैंकों के प्रभाको भेजने आवधि के मात्रे महित यथा किए जाने वाले बैंकिंग भाड़े भारतीय दूतावास टोकियो द्वारा आवधि किए जाएंगे ।

5. जैसे ही जापानी संभरक द्वारा प्रस्तुत किए गए लदान दस्तावेज आवधि के आधार पर आपके द्वारा कोई भी मुगतान किया जाता है तो इसकी सूचना निर्धारित प्रवत में इस संशालय और आयातक के बैंक के भेजी जानी चाहिए ।

6. इस संशालय की विशेष अनुमति के बिना भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र के लिए कोई भी संशोधन जारी नहीं किया जा सकता है ।

7. यह भुगतान प्राधिकार पत्र —————— तक बैंध रहेगा।

भवदीय,

(लेखा आधिकारी)

प्रति निम्नलिखित को प्रेषित :—

1. आयातक -----को उनके पत्र सं. ----- दिनांक ----- के संदर्भ में / उनसे अनुरोध किया जाता है कि वे बैंकरों से परकार्य दस्तावेजों की सुपुर्दगी लेने से पूर्व अपने बैंकों के माध्यम से रूपां निक्षेप आदि को जमा करवाने की व्यवस्था करें। यदि विदेशी परिमितियों की बजह से भूलपरिवहन दस्तावेजें प्रस्तुत किए जिन सीमा शुल्क प्राधिकारियों और पत्र के प्राधिकारियों से माल की सुपुर्दगी सीधे ही प्राप्त कर नी हों, तो वहां सुपुर्दगी प्राप्त करने से पूर्व धनराशि जमा करवानी चाहिए। विदेशी संभरकों द्वारा की गई जमा करवाने के लिए सुगतान के मामले में, जैसे ही भुगतान के लिए बैंक अनुमोदित किया जाते हैं वैसे ही धनराशि जमा करवा देनी चाहिए। प्राप्ति ही और सही रूप से धनराशि जमा करवाने में असमर्थ होने पर लाइसेंस शर्तों में उल्लिखित कार्रवाई की जाएगी।

2. आयातक का बैंक -----उनसे निवेदन किया जाता है कि मार्गतीय बैंक आफ इंडिया, टोकियो से दस्तावेज़ प्राप्त करने पर जापानी संभरकों को येन सुगतान के समतुल्य रूपये जमा करने की व्यवस्था करें। सभरकों को चुकाई गई धनराशि के बराबर रूपये की गणन, सार्वजनिक सूचना सं. 8-आई टी सी (पी एन) / 76, दिनांक 17-1-76 या अन्य ऐसी सार्वजनिक सूचना जो समय समय पर जारी की जाए, के अनुसार विदेशी सभरकों को भुगतान करने की निधि की यथा प्रत्यक्षित परिवर्तन दर पर को जाएगी। यदि इस दर में कोई परिवर्तन होगा तो इसकी सूचना सुरक्षित दी जाएगी। इस आत का सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि सीमानुकूल निकासी के लिए आयातक का दस्तावेजों का मूल सेट दिए जाने से पूर्व यह धनराशि जमा कराई जाती है।

बालान के दार्ग कोने में कोड नं. 5130000009 वर्षीने हुए ये धनराशिया या तो रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीम हजारों, दिल्ली में जमा करनी चाहिए या स्टेट बैंक आफ इंडिया को किसी गांधा, या इसकी अनुपर्यांत संस्थाओं या किसी भी राज्यीय बैंक से उनके द्वारा प्राप्त की गई स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीम हजारी गांधा दिल्ली 6 (आदेशीर्णी और आदाता) के नाम में और उसकी देव दर्शनी हुण्डी के माध्यम से करनी चाहिए। इस संबंध में प्रापका ध्यान सार्वजनिक सूचना सं. 233-आई टी सी (पी एन) / 68, दिनांक 24-10-68, नं. 132-आई टी सी (पी एन) / 71, दिनांक 5-10-71, सं. 74-आई टी सी (पी एन) / 74, दिनांक 31-5-74 और सं. 103-आई टी सी (पी एन) / 76, दिनांक 12-10-76 की शर्तों की ओर दिल्ली जाता है। लेखा शीर्ष जिसमें यथा जमा की जाएगी यह “के डिपार्टमेंट एंड एडवाइस 843 रिविल डिपोजिट्स फार परवेजिस एटसेक्ट्रा एक्राइ एक्रेजिस/ग्राह्य एंड फोम दी गवर्नरेट आफ जापान फार 1988-89 अन्वर डिटेल है” 641 मिलियन येन ग्राह्य एंड फार परवेज आफ सेडिकल इक्विपमेंट एंड सर्विस नेसेसरी फार इन्स्टालेशन/ट्रान्सपोर्टेशन आफ इक्विपमेंट।

जिन मामलों में तुल्य रूपया रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीम हजारी में सार्वजनिक सूचना सं. 132-आई टी सी (पी एन) / 71 दिनांक 5-10-71 के अनुसार नकद जमा किया जाता है उनसे बालान की मूल रूप में एक प्रतिलिपि बैंक आफ इंडिया, टोकियो गांधा से प्राप्त सूचना टिप्पणी का पूर्ण विवरण देते हुए प्रेषण पक्ष सहित उनके द्वारा निम्नलिखित पते पर भेजो जाएगी—

3 लेखा तथा लेखा परीक्षा नियन्त्रक,
वित्त मंत्रालय (प्राधिक कार्य विभाग)
पहांी भजिल, यू सी बैंक बिल्डिंग,
संसद मार्ग, नई दिल्ली - 110001

जिस मामले में तुल्य रूपया ऊपर सकेतिन सार्वजनिक सूचना विनांक 24-10-68 में यथा उल्लिखित बालानी हुण्डी हारा प्रेषित करना है उसकी

सूचना उपर्युक्त पते पर भेजी जानी चाहिए सभी मामलों में ब्याज की चुकाई गई धनराशि और जिस अवधि के लिए ध्याज की गणना की गई है और उसके माथ जमा किए गए तुल्य रूपये का पूरा ध्याज इस विभाग को भेजना चाहिए।

समझपार सभरक के बैंकर के खातों सजिल यदि कोई हो तो, बैंकिंग अचें और बैंक आफ इंडिया, टोकियो गांधा द्वारा आयातक विभाग की ओर से अदा किए जाएंगे। इन भारी के समतुल्य रूपये की गणना उपर्युक्त दंग से की जाएगी और इस नियन्त्रक लेखा विवेश मंत्रालय, नई दिल्ली को देय धनराशि के रूप में जमा किया जाएगा जिसके सबध में सी ए ए एंड ए विभाग को उपर्युक्त बीजक जारी करेगा।

4. भारतीय बूतावास, टोकियो ।

5. अधर्म मन्त्रिय, (जापान गांधा), वित्त मंत्रालय, प्राधिक कार्य विभाग, नई दिल्ली को उनके आई और सं. ----- दिनांक ----- के संदर्भ में।

(लेखा अधिकारी)

611,000,000 मिलियन येन (ल. सौ भारह मिलियन येन) की जापानी अनुदान सहायता 1988-89 के अन्तर्गत इंदिरा गांधी राष्ट्रीय खुला विष्वविद्यालय (आई. जी. एन. औ. यू.) के लिए ऐक्षिक प्रोद्योगिकी उपस्कर की खरीद और उपस्करों को लगाने/परिवहन के लिए आवश्यक सेवाओं के लिए लाइसेंस गर्ते।

खण्ड-1 मामान्य शर्तें --

1. (i) 1988-91 के लिए 611 मिलियन येन (लागत एवं भाडा) की जापानी अनुदान सहायता इंदिरा गांधी राष्ट्रीय खुला विष्वविद्यालय (आई. जी. एन. औ. यू.) द्वारा ऐक्षिक प्रोद्योगिकी उपस्करों की खरीद और उपस्करों को लगाने/परिवहन के लिए आवश्यक सेवाओं के लिए लाइसेंस गर्ते।

1. (ii) आयातक के नाम में कुल 672 मिलियन येन (लागत और भाड़ा) की धनराशि तक के लिए आयात लाइसेंस जारी किए जाने चाहिए और इस पर “1988-91 के लिए येन 611 मिलियन जापानी अनुदान सहायता” शब्द अक्षित होने चाहिए। प्रथम और द्वितीय प्रत्यय के लिए लाइसेंस कोष “एम/जेएन” होगा/बुले मामान्य लाइसेंस के अपर्याप्त आने वाली मद्दों के लिए किसी आयात लाइसेंस की आवश्यकता नहीं है।

1. (iii) आयातक के नाम में कुल 672 मिलियन येन (लागत और भाड़ा) की धनराशि तक के लिए आयात लाइसेंस जारी किए जाने चाहिए और इस पर “1988-91 के लिए येन 611 मिलियन जापानी अनुदान सहायता” शब्द अक्षित होने चाहिए। प्रथम और द्वितीय प्रत्यय के लिए लाइसेंस कोष “एम/जेएन” होगा/बुले मामान्य लाइसेंस के अपर्याप्त आने वाली मद्दों के लिए किसी आयात लाइसेंस की आवश्यकता नहीं है।

1. (iv) इस अनुदान सहायता के अन्तर्गत उपस्कर और रोकाएं केवल जापान/भारत से ही अधिप्राप्त किए जाने चाहिए। क्या आदेश केवल जापानी सभरकों को ही दिए जाएंगे।

1. (v) आयात लाइसेंस लागत बीमा-भाड़ा के आधार पर जारी किए जाएंगे जिनकी बंधता 31-3-1989 तक होगी।

1. (vi) सविदा में भुगतान की व्यवस्था नकद आधार पर प्रथम बैंक आफ इंडिया, टोकियो को जापानी सभरकों द्वारा पोतपरिवहन दस्तावेजों के प्रस्तुत करने पर करनी चाहिए। वितरण की अवधि मिन्न प्रकार में होनी चाहिए—

“वितरण 15-3-1989 तक पूर्ण करना है।”

1. (vii) संविदा का मूल्य (लागत एवं भाड़े जहाज पर्यावरण मिशनक के आधार पर (येन में) येन का अंश हटा देना चाहिए (प्रवर्णित किया जाना चाहिए और भारतीय अधिकारी का कमीशन यदि कोई हो तो उसे निकाल देना चाहिए। किसी भी परिस्थिति में संविदा का मूल्य किसी प्रत्य मुद्रा में प्रवर्णित नहीं किया जाना चाहिए।

जहाज पर्यावरण लागत एवं भाड़ा गणि अलग से दर्शाई जानी चाहिए, किन्तु संविदा में यह स्वतः स्पष्ट होना चाहिए कि भाड़े का भुगतान आस्तविक आधार पर किया जायेगा अथवा उसमें दर्शाया गया भाड़ा वास्तविक प्रभारों के अनुरिक्त भुगतान की राशि होगा।

1. (viii) क्य संविदा जापानी राष्ट्रियों द्वारा या जापानी राष्ट्रियों हारा नियंत्रित व्यायिक जापानी व्यक्तियों के साथ येन में की जानी चाहिए।

खण्ड-2 संभरण टेकों में निम्नलिखित प्रावधान स्पष्ट रूप से समाविष्ट होना चाहिए।

2. (i) टेकों की व्यवस्था 1988-89 के लिए येन 611 मिलियन के अनुदान सहायता के अनुसार भारत और जापान की सरकारों के बीच हुए 8 नवम्बर, 1988 को हुए समझौते के अनुसार होमी चाहिए और दोनों सरकारों के अनुमोदन के अधीन होगी।

2. (ii) संभरणों को भुगतान "भुगतान के प्राधिकार" (ए/पी) के माध्यम से किए जाएंगे। जो 1988-89 के लिए जापान अनुदान सहायता के अंतर्गत बैंक आफ इंडिया, टोकियो के नाम में सहायता लेता एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय, व्यायिक कार्य विभाग, यूको बैंक इंडिया, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली 110001 द्वारा जारी किए जाएंगे।

2. (iii) जापानी संभरक ऐसी सूचनाओं एवं दस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिए भव्यता देने जो एक और भारत सरकार एवं दूसरी ओर जापान सरकार द्वारा प्रयोक्तित होगी।

2. (iv) जापानी संभरक भारतीय दूतावास, टोकियो के परामर्श पर पोत परिवहन व्यवस्था करने के लिए सहमत है और इस उद्देश्य के लिए वह भारतीय दूतावास, टोकियो को शामिल माल की सुरुदेशी के आवेदकम से प्रवर्गत करायेगा। और पोत-लद्दान से कम से कम ४८: सप्ताह पूर्व भारतीय दूतावास को सूचना देना जिससे कि उचित व्यवस्था हो सके। चिन्होंपास मामलों में, जहां आयातक इच्छुक हो, सूचना की इस प्रवधि को कम किया जा सकता है। जापानी संभरक का प्रत्येक पोत-लद्दान के पश्चात आवश्यक व्योरे देने हुए तार से सूचना भेजने के लिए सहमत होना चाहिए और उसकी एक प्रति भारतीय दूतावास टोकियो को भेजी जानी चाहिए।

खण्ड-3 भारत और जापान की सरकारोंद्वारा संविदा का अनुमोदन

3. (i) जैसे ही आवेदों को घ्रन्तिम रूप दे दिया जाए, लाइसेंसधारी को दोनों पार्टियों द्वारा विविधत हस्ताक्षरित संविदा की पांच प्रतियां (मूल और 4 फोटो प्रतियां) जापानी संभरकों को भारतीय आयातक द्वारा दिए गए क्य साधेके साथ जापानी संभरक द्वारा लिखित रूप से पुरित-वर्णण आदेश के साथ अनुबंध-1 के प्रत्यक्ष "(ए/पी)" जारी करने के आवेदन की दो प्रतियों सहित अबर सचिव (टी सी) व्यायिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, सार्व. ब्लाक नई दिल्ली को भेजनी चाहिए। उपर्युक्त प्रक्रिया संविदा की विषय वस्तु या उसकी कीमत में आवश्यक आशोधनों से उत्पन्न सभी संविदा संपादनों के लिए भी लागू होगी।

3. (ii) वित्त मंत्रालय (ईडी) जापान अनुभाग, 1988-89 के लिए 611 मिलियन येन की जापानी अनुदान सहायता के अधीन वित्तदान देने के लिए संविदा की दो प्रति जापान सरकार को अनुमोदन के लिए भेजेगा और इसी के साथ-साथ उपर्युक्त (i) में उल्लिखित दस्तावेजों का एक सेट सहायता लेखा परीक्षा नियंत्रक और भारत के दूतावास टोकियो को भी भेजेगा।

3. (iii) जापान सरकार से टेका अनुमोदन प्राप्त करने के बाद वित्त मंत्रालय व्यायिक कार्य विभाग, नार्थ ब्लाक को उसकी सूचना सहायता देखा व लेखा परीक्षा नियंत्रक, व्यायिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय यूको बैंक इंडिया संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001 को देंगा जो कि जापानी संभरक को भुगतान करने के लिए बैंक आफ इंडिया, टोकियो को अनुबंध-2 के अनुसार एक "भुगतान प्राधिकार-पंक्ति" (ए/पी) जारी करेगा। प्राधिकार पत्र (ए/पी) की प्रतियां भारत का दूतावास, टोकियो भारत में आयातक के बैंक और वित्त मंत्रालय, व्यायिक कार्य विभाग के जापान अनुभाग को भेजी जाएंगी।

3. (iv) भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) की प्राप्ति के बाद बैंक आफ इंडिया टोकियो, जापान सरकार, भारत का दूतावास, टोकियो, भारत में आयातक के बैंक और सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक को सूचना देते हुए इस प्राप्ति को सूचना से संभरक को अवगत करायेगा।

3. (v) पोत लदान करने के बाद जापानी संभरक अपने बैंकरों के माध्यम से (ए/पी) में उल्लिखित दस्तावेज बैंक आफ इंडिया, टोकियो को प्रस्तुत करेगा। यदि दस्तावेज सही पाये गए तो बैंक आफ इंडिया, टोकियो को अनुबंध-1 में उल्लिखित धनराशि को जापानी संभरकों को अपने बैंकरों के माध्यम से रिहा करेगा।

3. (vi) बैंक आफ इंडिया, टोकियो को देय बैंक खर्च भारत मरकार के लेखे को प्रभावित किए जिना सामान्य बैंक प्रणाली के माध्यम में भारत में आयातक से संबंधित बैंक द्वारा बैंक आफ इंडिया, टोकियो को धन परेषित करके निर्णीत किये जाएंगे।

खण्ड-4 रूपया जमा करने का उत्तरदायित्व

4.(i) मूल विनियम पोत परिवहन दस्तावेज निरपेक्ष रूप से बैंक आफ इंडिया टोकियो द्वारा भारत में आयातक के संबंध बैंक को भेजे जाएंगे जो भारतीय स्टेट बैंक या अनुबंध-1 के (ण) में उल्लिखित किसी भी राष्ट्रीय बैंक की शाखा होगी, उस बैंक को प्रस्तावेजों के ये विनियमय सेट केवल इस बात का सूनिश्चय कर लेने के बावही संबंध आयातक को देने चाहिए कि जापानी संभरक को चुकाई गई येन धनराशि के बराबर रूपया व्याज प्रभार सहित जापानी संभरक को भुगतान कर दिया गया है और इस धन-राशि पर जापानी संभरक को बैंक आफ इंडिया, टोकियो द्वारा किए गए अनुदान की तिथि से वास्तविक रूपया जमा करने की तिथि वी अवधि पर पहले 30 दिनों के लिए 12% प्रति वर्ष की दर से और शेष अवधि के लिए 18% प्रति वर्ष की दर से हिसाब लगा कर व्याज सार्वजनिक सूचना सं. 31-मार्ईटीसी(पीएन) 83, दिनांक 10-8-83 के अनुसार सरकारी लेखे में जमा कर दिया गया है। व्याज दोनों दिनों अर्थात् जिस दिन जिस जापानी संभरक को भुगतान किया जाता है, के लिए देय है, वेखिए मार्वजनिक सूचना संस्था 103-प्रार्टीसी(पीएन) 76, दिनांक 12-10-76 द्वारा संकेतित सार्वजनिक सूचना सं. 74-आर्टीसी(पीएन)/74, दिनांक 31-5-74 येन भुगतान के समतुल्य रूपये की गणना करने के लिए अपनाई गई विनियम की दर मुख्य नियंत्रक आयात-नियंत्रित की सार्वजनिक सूचना स. 8-आर्टी सी (पी एन)/76, दिनांक 17-1-76 में यथा-निर्धारित मुद्रा विनियमय की प्रचलित दर या समय-समय पर मुख्य नियंत्रक आयात-नियंत्रित की सार्वजनिक सूचनाओं या सार्वजनिक रिजर्व बैंक के नुदा विनियमय नियंत्रण परिस्थितों के आधार से सरकार द्वारा अधिसूचित कर दी गई है। इस संबंध में भी आदेश की दर के लिए देय है, वेखिए संविदा की घोषित विधियों द्वारा देना चाहिए कि जापानी संभरक को भुगतान करना चाहिए कि अपने बैंकरों में दस्तावेज लेने से पहले देय धनराशि सरकारी लेखे में सही रूप से जमा कर दी गई है। यह सूनिश्चय करना चाहिए कि अपने बैंकरों में दस्तावेज लेने से पहले देय धनराशि सरकारी लेखे में सही रूप से जमा कर दी गई है। यह सूनिश्चय करना चाहिए कि अपने बैंकरों में दस्तावेज लेने से पहले देय धनराशि सरकारी लेखे में सही रूप से जमा कर दी गई है।

की जिम्मेदारी ज्ञानी कि देव धनराशि मरकारी लेखे में उस समय भी तुरन्न जमा करा व जबकि वे विशेष परिस्थितियों में सीमावृत्क प्राधिकारियों से माल की सूचीपी प्राप्त करते हैं। उस समस्ये में जब आयातक सरकार को देव धनराशि माल छुट्टवाने से पूर्व जमा करवाने में असमर्थ होता है तो उसे प्राप्त ए/पी जारी करना रोक दिया जाए और मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रण यो तथ्यों से अवगत करवाया जाए जिसे ऐसे आयातक को प्राप्त कोई आयात नाश्वेस जानी न किया जाए। लेखा शीर्ष जिसमें उपर्युक्त रूपया निषेष किया जाएगा वह “के” डिपोजिट्स एड एडवाइसिंग-843-सिविन डिपोजिट्स-डिपोजिट्स कार परचेज एट्सेट्रा एन्ड्राइव परचेज अर्ल्डर प्रॉट एड काम वि गवर्नर्सेट आफ जापान फार 1988-89 द्वारा हैंडिंग नांदी राष्ट्रीय युवा विश्वविद्यालय ग्रान्ट फार परचेज आफ वि एज्युकेशनल टेक्नोलोजी इन्विपमेट एण्ड मर्किनिज नेससरी कार वि इन्स्टीट्यूशन आफ दी इन्विपमेट इंस्टीट्यूटेशन आफ इक्विमेट वाई दी शाई जी एन ओ यैं यू।

4(ii) ऊपर उल्लिखित धनराशि या सो भारतीय रिजर्व बैंक नई दिल्ली में चालान के दाहिने कोने में कोड सं. 5130000009 दृश्यते हुए या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी, दिल्ली में या यदि यह संभव न हो तो स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी शास्त्रा, दिल्ली-6 (आदेशिती और भारतीया) के नाम और उसको देश स्टेट बैंक आफ इंडिया या इसकी सहायक शाखा या किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक (आवेशक) से प्राप्त डिसोइंड्राफ्ट के साथ्यम से सार्वजनिक सूचना सं. 184-आई टी सी (पी एन)/68, दिनांक 30-8-1968, मं. 233-आई टी सी (पी एन)/68, दिनांक 24-10-1968 और सं. 132-आई टी सी (पी एन)/73, दिनांक 5-10-1971, मं. 74-आई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-1976 और मं. 103-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-1976 में दिए गए, तरीके से सरकार के खाते में नकद जमा करनी आहिए।

4(iii) भारत में संबंध बैंक भी उपर्युक्त निर्धारित विधि के प्रान्तुसार सरकार द्वारा मांग करने पर 7 दिनों के भीतर सेवा प्रभारों के निमित्त अतिरिक्त निषेष भेजेगा। चालान के विभिन्न कालम भरते समय आयातकों उनके बैंकरों को यह सूचित कर देना आहिए कि सार्वजनिक सूचना सं. 132-आई टी सी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-71 और सार्वजनिक सूचना सं. 103-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-76 के साथ की जाने वाली सार्वजनिक सूचना सं. 74-आई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-1974 के पैरा-2 में निर्धारित सूचना चालान के “धन परेशन और प्राधिकारी (यदि कोई हो) के पूर्ण व्यापेरों” कालम में निरपवाव रूप से निर्दिष्ट किए गए हैं। ज्ञाना चालान में निम्नलिखित व्योरे निरपवाव रूप से प्रस्तुत करने आहिए :—

(क) वित्त मंत्रालय के “ए/पी” (भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र) की सं. एवं विनांक।

(ख) येन मुद्रा की वह धनराशि जिसके संबंध में अपनाई गई परिवर्तन की दर के साथ निषेष किए जाने हैं।

(ग) जापानी संभरक को भुगतान की तिथि।

(घ) भुगतान किए गए व्याज की धनराशि और वह प्रवधि जिसके लिए इसकी गणना की गई है।

(ङ) निषेष की गई कुल धनराशि।

(व्याज की गणना जापानी संभरक को भुगतान की तिथि से सरकारी लेखे में तुल्य रूपया जमा करने की तिथि तक करनी है।

उसके प्रत्यावृत्त सी ए ए एण्ड ए द्वारा जारी किए गए ए/पी (भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र) का संवर्तन देते हुए और बीजक तथा पोन परिवहन वस्त्रावेजों को संलग्न करने हुए ज्ञाना चालान, रूपया जमा करने का साक्ष्य देते हुए पंजीकृत डाक द्वारा सी ए ए एण्ड ए को भेजा जाना चाहिए।

दिल्ली—भारत में आयातक के बैंकों को यह सूचित कर देना आहिए। कि बैंक आफ इंडिया, टोकियो से भुगतान की सूचना और विनिमय पोन परिवहन इस्तावेजों की प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर रूपया निरपवाव रूप से जमा कर दिया गया है और वह कि इवके तुरन्त बाद इसकी सूचना सी ए ए एण्ड ए, वित्त मंत्रालय, (आधिकारी कार्य विभाग) नहीं दिल्ली को दे दी गई है।

4(iv) भारत में सम्बद्ध भारतीय बैंक को लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति पर रूपया निषेषों की धनराशि का पृष्ठाकृत करना आहिए और अपेक्षित “एम” प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक आफ इंडिया, बम्बई को भेजना आहिए।

खण्ड-5 विविध व्यवस्थाएं

5(i) अनुवान सहायता के उपयोग पर रिपोर्ट

आयातक को प्रोत्तलवान और उसके अधीन किए गए भुगतान और शेष धनराशि के बारे में ए/पी जारी हो जाने के प्रत्यावृत्त एक मासिक रिपोर्ट भानुवन्धा लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, आर्थिक कार्य विभाग, यू को बैंक विरिंग, सम्बद्ध मार्ग, नई दिल्ली को भेजनी आहिए।

आयातक की इस अनुवान सहायता के अधीन मर्दों के आयात के संबंध में उन विशेष प्रावधानों से संभरक को अवगत कर देना आहिए जो भाल के लेन-देन में संभरक पर प्रभाव लालती हैं।

5(ii) विवाद

यह समस्या देना आहिए कि आयातकों और संभरकों के बीच यदि कोई विवाद उठेगा तो उसके लिए भारत सरकार कोई उत्तर द्यायित्व नहीं लेगा। बैंक आफ इंडिया, टोकियो द्वारा भुगतान से पहले संभरक द्वारा पूरी की जाने वाली मर्दों आयातक द्वारा अनुवन्ध-1 में “भुगतान की प्रतीक्षा” के अन्तर्गत अन्यथी तरह से स्पष्ट करली चाहिए। संविदा की शर्तों में विवाद निपटाने से संवधित व्यवस्थाएं शामिल होनी चाहिए।

5(iii) भविष्य अनुदेश

जापान से 1988-89 के लिए अनुवान सहायता के अधीन आयातों से उत्पन्न या उनके संबंध में उठ खड़े होने वाले किसी भी मामले या सभी मामलों के संबंध में समय-समय पर भारत सरकार द्वारा जारी किए गए नियंत्रणों, अनुदेशों या आदेशों और सभी दायित्वों को आयातक को सुरक्षित करना होगा।

5(iv) अनुसन्धान या उल्लंघन

उपर्युक्त अनुदेशों में निर्धारित की गई शर्तों के प्रतिक्रिया या उल्लंघन करने पर आयात-नियंत्रण (नियंत्रण) अधिनियम के अधीन उचित कारंवाई की जाएगी।

5(v) अनुबन्धों की सुची

अनुबन्ध-1 ए/पी जारी करने के लिए आवेदन पत्र

अनुबन्ध-2- ए/पी का प्रपत्र

अनुबन्ध-1

“भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए प्रावेदन पत्र”
संज्ञा दिनांक
मेवा में,

सहायता लेवा तथा लेक्सा परीक्षा नियंत्रक,
वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग,
यूको बैंक विडिंग, प्रथम मंजिल,
पार्लियमेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001

विषय:— 1988-89 के लिए 611 शिलियन यैन की जापानी अनुदान मालपान के प्रस्तुत उपस्कर स्थापित करने परियहन के लिए आवश्यक शैक्षिक प्रौद्योगिक उपस्करों और मेवाओं—
का आयात।

महोदय,

ऊपर उल्लिखित अनुदान सहायता के अलीन जापान से उपर्युक्त उपकरणों के आयात के संबंध में हम आपको निम्नलिखित व्यौरा मेजेत हैं जिससे कि आप संबंध जापानी संभरक के पक्ष में बैंक आफ इंडिया, टोकियो को भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (एपी) जारी कर सकें:—

- (क) भारतीय आयातक का नाम और पता।
- (ख) आयात लाइसेंस की सं., दिनांक और मूल्य और वह तिथि जब तक यह बैंध है।
- (ग) प्रधिप्राप्ति के तरीके। क्या यह प्रत्यक्ष खरीद पर आधारित है या सीमित युक्ति विविदा पर आधारित है। इव मामले में कारणों महित यह निर्दिष्ट करना है कि क्या संविदा का निर्णय उपर्युक्त तकनीकी प्रस्ताव के आधार पर किया गया है।
- (घ) माल का संक्षिप्त विवरण।
- (ङ) माल का उद्गम देश।
- (ज) संविदा की कुल लागत और भाक्षा मूल्य (यैन) में।
- (झ) यदि कोई हो तो, भारतीय स्पष्टीय में भारतीय एजेंट के कमीशन की धनराशि (यैन में)।
- (ज) वह युद्ध लागत तथा भाक्षा मूल्य (यैन में) जिसके लिए भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र की आवश्यकता है।
- (झ) संभरकों के साथ की गई संविदा का नाम और दिनांक।
- (ञ) संभरक का नाम और पता।
- (इ) वे भुगतान शर्त और सम्मानित तिथि जिनकी संविदाओं के अन्तर्गत भुगतान देय हैं।
- (ट) सूपुर्दीगी पूर्ण करने की प्रत्याशित तिथिया।
- (ड) बैंक आफ इंडिया, टोकियो को भुगतान करते समय प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेज़ (प्रत्येक सेट की सज्जा और उनका निपटान बताते हुए)।
- (इ) पोलन्यान अनुवेश (वाहनतरण/पार्टशिपमेन्ट भी अनुमति दी गई है या नहीं निर्दिष्ट कीजिए)।
- (ण) भारत में आयातक के बैंक का नाम और पता।
- (त) कृपया यह स्पष्ट करें कि भारतीय बैंक, टोकियो के बैंकिंग प्रभारों को कौन वहन करेगा—आयातक अथवा संभरक।

ए) आयातक द्वारा वचनबद्धता:—“हम एमद्वारा बचन देते हैं हैं कि हम विदेशी संभरक को देय धनराशि के समतुल्य रूपये

की पूर्ण धनराशि को सरकार द्वारा निर्धारित किया विधि से और प्रचलित वर पर सही रूप से जमा करवा देंगे। माल (आपानित सामग्री) के प्रत्येक परेवण के सूपुर्दीगी प्राप्त करने से पूर्ण राशि शीघ्र ही जमा करवा दी जाएगी। विवेशी गण्डिकों की सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में, जैसे ही हमारे द्वारा विदेशी संभरक के संगत बीजक अनुमोदित किए जाते हैं और संभरक को भुगतान किया जाता है वैसे ही राशि जमा करवा दी जाएगी।”

अनुबन्ध-2

भुगतान के लिए प्राधिकरण सं.

संज्ञा—एफ

भारत सरकार
वित्त मंत्रालय,
आर्थिक कार्य विभाग
नई दिल्ली, विनाक

रेवा में,

बैंक आफ इंडिया,
टोकियो शाखा,
टोकियो (जापान)

विषय:— 1988-89 के लिए 611 शिलियन यैन की जापानी अनुदान सहायता के प्रस्तुत उपस्कर स्थापित करने यातायात के लिए आवश्यक शैक्षिक प्रौद्योगिक उपस्करणों और रेवाओं—
का आयात।

प्रिय महोदय,

आपके बैंक के साथ 21-4-1988 को किए गए समझौते की शर्तों के अनुसार आपको एमद्वारा परिशिष्ट में दिए गए यथा संलग्न व्यौरे के अनुसार संवैधी— को— योन धनराशि के भुगतान के लिए प्राधिकृत किया जाता है।

2. कृपया भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (एपी) की पावती के बारे में संभरक को सूचना दें इसकी प्रत्येक सूचना पत्र की एक प्रति जापान सरकार आयातक बैंक भारतीय दूतावास टोकियो और इस मंत्रालय को पूर्णांकित की जाए।

3. भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र की शर्तों के अनुसार भुगतान परिशिष्ट में यथा-संकेतिक लदान दस्तावेजों के आधार पर किया जाएगा।

4. आयातक द्वारा आपको देय बैंकिंग प्रभार जिनमें दस्तावेजों पर लगने वाला प्रभार और विदेशी संभरकों, बैंकों के प्रभार सामिल है, यदि कोई हो, आयातक के बैंक द्वारा सोधे ही निर्धारित किए जाएंगे।

5. जैसे ही जापानी संभरक द्वारा प्रस्तुत किए गए लदान दस्तावेज आदि के आधार पर आपके द्वारा कोई भी भुगतान किया जाता है तो इसकी सूचना निर्धारित प्रपत्र में इस मंत्रालय और आयातक के बैंक को भेजी जानी चाहिए।

6. इस मंत्रालय की विशेष अनुमति के बिना भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र के लिए कोई भी संशोधन जारी नहीं किया जा सकता है।

7. यह भुगतान प्राधिकार पत्र— तक बैंध रहेगा।

भवतीय,
(लेखा प्रधिकारी)

प्रति निम्नविवित को व्येपितः—

1. भारतके विवित पत्र सं. 21-1-78 के संबंध में। उनसे भ्राताभारत किया जाता है कि वे बैंकों से परकारार दस्तावेजों की सुरक्षाएँ लेने से पूर्व उन्हें बकरों के माल्यम से रक्षये निजेन आदि को जमा करवाने की व्यवस्था करें। यदि विवेष परिवितियों की वजह से मूल परिवहन दस्तावेज प्रस्तुत किए जाना सीमा शुल्क प्राविधिकों और पतन के प्राविधिकों से जान की सुरक्षाएँ सीधे ही प्राप्त कर ली हो, तो वहाँ सुरक्षाएँ प्राप्त करने से पूर्व धनराजि जमा करवानी चाहिए। विवेषी संदर्भों द्वारा वी नई सेवाओं के लिए भ्राताभारत के मापदंडों में, जैस हो भ्राताभारत के लिए बोनस प्रदानी दिए जाते हैं वैसे ही धनराजि जमा करवा देने चाहिए। जीव ही और सही रूप से धनराजि जमा करवानी में आरावं ही ही पर लाइसेंसिंग जनों में उल्लिखित कार्रवाई की जाएगी।

2. भारतके विवित पत्र सं. 21-1-78 के लिए विवेषी जमा करवानी की विवेषी संदर्भों को यैन भ्राताभारत के सम्बुद्ध रूपयों जमा करने की व्यवस्था करें। संदर्भों को चुकाई गई धनराजि के बराबर यथे की गणना सार्वजनिक सूचना सं. 8-प्राई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 24-10-1968 में यथा उल्लिखित दर्दी द्वारा देय जमा करना है उसकी सूचना उल्लिखित पते पर जैसी जानी चाहिए सभी मानवों में ध्याज की जाई नई धनराजि और जिम अवधि के लिए ध्याज की गणना की गई है और उनके तात्पर्य जमा निर. नए तुला राह का पूरा ध्याज इन विवेषों ने देया हाईट जाएगी। विवेषी संभरत को धनराजि करने की विवेष से भारतीय बैंक को धनराजि करने की विवित सक सरकार के लिए में तुल्य दप्तया जमा करने की अवधि के लिए सार्वजनिक सूचना सं. 31-प्राई टी सी (पी एन)/83, दिनांक 10-8-83, 35-प्राई टी सी (पी एन)/83, दिनांक 26-8-1983 के अनुसार पहले 30 दिनों के लिए 12 प्रतिशत वार्षिक दर पर और इससे अधिक की गणना की गई अवधि के लिए 18 प्रतिशत वी दर से ध्याज भी सरकारी लेखों में जमा करना होगा। ध्याज दोनों दिनों के लिए देय होना अवश्यक है तिथि जिसको विवेषी संभरत को धनराजि किया जाता है और वह नियम भी जिस दिन सरकारी लेखों में दप्तया जिसको दिया जाता है (यदि इस दर में कोई उल्लिखित दूसरा तो इसको ध्याज तुलना दो जाएगी)। इस बात का सुनिश्चय कर लेना चाहिए कि सीमाशुल्क निकासों के लिए धारातक को दस्तावेजों का मूल मैट दिया जाने से पूर्व यह धनराजि जमा कराई जाती है।

भ्राताभारत के बाएं फोने में कोड नं. 5130000009 द्वारा हुए ये धनराजियाँ या तो रिजर्व बैंक धारक इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक धारक इंडिया, तीन हजारी, दिल्ली में जमा करनी चाहिए या स्टेट बैंक धारक इंडिया की किसी शाखा, या इसकी भ्राताशाखों या किसी भी राष्ट्रीय क्रष्ण बैंक से उनके द्वारा प्राप्त की गई स्टेट बैंक धारक इंडिया, तीन हजारी शाखा दिल्ली-6 (धारेश्वरी और झांदाता) के नाम में और उसकी देय राशनी हुण्डी के माल्यम से करनी चाहिए। इस संबंध में धारपका ध्यान सार्वजनिक सूचना सं. 233-प्राई टी सी (पी एन)/68, दिनांक 24-10-68, सं. 132-प्राई टी सी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-71, सं. 74-प्राई टी सी (पी एन)/74 दिनांक 31-5-74 और सं. 103-प्राई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-76 की राशों की ओर दिलाया जाता है। लेखा यीर्ष जिसमें धनराजि जमा की जाएगी वह “के डिपोजिटस एण्ड एस्यासिज- 843 सिविल डिपोजिट्स-डिपोजिट्स फार दरवेजिस एटसेक्ट्रा एशाड रपरेजिस अन्डर ग्रान्ट एण्ड क्रोम दि गवर्नमेंट धारक जमा कार 1988-89 प्रम्भर दिटेल है 611 मिलियन यैन प्राप्त एण्ड फार दरवेज धारक एक्युकेशनल टैक्नोलोजी एम्बियमेंट एण्ड सर्विसिस नेसेसरी फार इस्टलेशन/ट्रान्सपोर्टेशन धारक ही इक्विपमेंट है।

जिम मामलों में तुल्य दप्तया रिजर्व बैंक धारक इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक धारक इंडिया, तीन हजारी में सार्वजनिक सूचना सं. 132-प्राई टी सी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-71 के अनुसार नकद जमा 219 CH/89-2

पिया जाता है उनमें भ्राताभारत की मूल रूप में एक प्रतिलिपि बैंक धारक इंडिया, टोकियो शाखा से प्राप्त सूचना टिल्पणी का पूर्ण विवरण देते हुए प्रेषण पत्र सहित उनके द्वारा निम्नलिखित पते पर भेजो जाएगीः—

भेजा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक,
वित्त मंत्रालय (भारिक वार्ष विभाग),
पहली मंजिल, यू सी.ओ. बैंक बिल्डिंग,
संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001.

जिस मामले में तुल्य दप्तया कर संकेतिक मार्वनिक सूचना दिनांक 24-10-1968 में यथा उल्लिखित दर्दी हुण्डी द्वारा देय जमा करना है उसकी सूचना उल्लिखित पते पर जैसी जानी चाहिए सभी मानवों में ध्याज की जाई नई धनराजि और जिम अवधि के लिए ध्याज की गणना की गई है और उनके तात्पर्य जमा निर. नए तुला राह का पूरा ध्याज इन विवेषों द्वारा देय होना चाहिए। बैंकिंग प्राप्तार जिनमें सम्बूद्धरार मामलों के बैंकर के प्रमाणी शामिल हैं, यदि कोई ही तो, बैंक धारक इंडिया, टोकियो शाखा के इंडियन बैंक और बैंक धारक इंडिया, टोकियो शाखा द्वारा यांत्रे ही निवारित किए जाएंगे।

3. भारतीय धूताभास, टोकियो।

4. धनराजि विवेष, (टी सी), वित्त मंत्रालय, भ्राताभारत वार्ष विभाग, नई दिल्ली।

(लेखा भ्राताभारत)

MINISTRY OF COMMERCE

Import Trade Control

PUBLIC NOTICE NO. 94-ITC(PN)|88-91

New Delhi, the 25th January, 1989

Sub : Licensing Conditions for import of equipment and services under Japanese grant aid for 1988-89 :—(1) Yen 641 million for improvement of medical equipment of regional cancer centres; and (2) Yen 611 million for improvement of Educational Technology equipment of Indira Gandhi National Open University.

F. No. IPC/23(51)88-91.—The terms and conditions governing import of equipment and services under Japanese grant aid for 1988-89 (1) Yen 641 million for improvement of medical equipment of regional cancer centres; and (2) Yen 611 million for improvement of Educational Technology equipment of Indira Gandhi National Open University, as given in Appendix to the Public Notice are notified for information.

K. V. IRNIRAYA, Chief Controller of Imports & Exports

APPENDIX TO THE MINISTRY OF COMMERCE
PUBLIC NOTICE NO. 94-ITC(PN)|88-91 DATED
25-1-1989

Licensing conditions for purchase of medical equipment for Regional Cancer Centres and services necessary for installation/transportation of the equipment to ports in India and those for internal transportation therein under the Japanese grant aid of Yen 641 million for 1988-89 for improvement of medical equipment of regional cancer centres.

Section I. General Conditions

(i) The Japanese grant aid of Yen 641 million for 1988-89 is intended to be used for :—

- (1) Import of CT Scanners and supplementary equipment of regional cancer centres and services necessary for installation/transportation of the equipment (Yen 406.4 Million)
- (2) Import of Diagnostic equipment for the Madras Cancer Institute and services necessary for installation/transportation of the equipment (Yen 234.6 Million)—Out of Yen 234.6 Million an amount of Yen 26.5 Million is earmarked for procurement of Consultancy Services from Japan.

(ii) The import licences under this grant aid should be issued for an amount not exceeding Yen 705 Million (CIF) in favour of the importer and should bear the superscription "Yen 641 Million Japanese Grant Aid for 1988-89". The licence code for the first and second suffix will be "S|JN". However, no import licence is required for items covered under O.G.L.

(iii) The equipment and services should be produced only from Japan/India under this grant aid. The purchase order should be placed only on the Japanese suppliers.

(iv) The import licence will be issued on CIF basis with initial validity upto 31-3-1989.

(v) The contract should provide for payment on each basis i.e. on presentation of shipping documents by the Japanese Suppliers to the Bank of India, Tokyo. It should also provide for the period of delivery as follows :

"delivery to be completed by 15-3-1989"

(vi) The contract value (C&F/FOB basis) should be expressed in Yen (fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agents' Commission, if any. In no circumstances the contract value should be expressed in any other currency.

The FOB cost and freight amount should be shown separately but it should be clarified in the contract itself whether the freight will be payable on actual basis or whether the freight charges indicated therein would be the amount payable irrespective of the actual charges.

(vii) The purchase contract should be entered into only in Japanese Yen with the Japanese nationals.

(viii) The procurement of goods and services under this grant aid should be done on the basis of an open tender confined to Japanese suppliers and the contract awarded to the lowest evaluated and technically acceptable bidder. In case it is proposed to procure the goods and services under this grant on direct negotiation basis prior approval of the Government of Japan may be obtained through the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Japan Section).

Section II The following provision should be specifically incorporated in the supply contract :

(i) The contract is arranged in accordance with the Agreement dated the 8th November, 1988 between the Government of India and Government of Japan concerning the Grant Aid of Yen 641 million for 1988-89 and will be subject to the approval of both the Governments.

(ii) Payments to the suppliers shall be made through an 'Authorization to Pay' (A|P) which will be issued by the Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance, Deptt. of Economic Affairs, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-110001 in favour of the Bank of India, Tokyo under the Japanese Grant Aid for 1988-89.

(iii) The Japanese suppliers agree to furnish such information and documents as may be required by the Government of India on the one hand and the Government of Japan on the other.

(iv) The Japanese supplier agree to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India, at least six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements should be made. In exceptional cases, where the importer require it this period of notice may be reduced. The Japanese suppliers should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

Section III. Contract Approval by Governments of India and Japan.

(i) As soon as the orders are finalised, the importer should forward to the Under Secretary (TC), Deptt. of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block, New Delhi, 5 copies of the contract (one original and 4 photocopies) duly signed by both parties or purchase orders by the Indian importer placed on the Japanese supplier supported by order confirmation in writing by the Japanese supplier or their photo copies complete in all respects together with two copies of the tender evaluation report and two copies of the "Request for issue of A|P" in the form at Annex I. The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of contracts or in its price.

(ii) The Ministry of Finance (DEA), Japan Section will arrange to send two copies of the contract to the Government of Japan for their approval for financing under the Japanese Grant Aid for 1988-89 of Yen 641 million, and one set of the documents mentioned in (i) above will also be sent to the CAA&A and the Embassy of India in Tokyo simultaneously.

(iii) On receipt of the contract approval from the Government of Japan, Japan Section of the Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block, will inform the Controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-110001 of the same who will issue on 'Authorisation to Pay' (A|P) to the Bank of India, Tokyo in the form at Annexure II for making payment to the

Japanese supplier. Copies of the A|P will be endorsed to the Embassy of India, Tokyo, the importer, importer's Bank in India and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

(v) The Japanese supplier shall, after effecting shipment present through his bankers the documents specified in the A|P to the BOI, Tokyo. If the documents are found to be in order, the Bank of India, Tokyo will release the amount specified in the documents to the Japanese supplier through his bankers.

(vi) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for arranging the payment to the Japanese supplier shall be paid by the Embassy of India, Tokyo on behalf of importing Department. Rupee equivalent of these charges will be paid by the importing Deptt. to the Controller of Accounts, Ministry of External Affairs, New Delhi on receipt of suitable advice from the CAA&A, New Delhi.

Section IV. Responsibility for rupee deposit

(1) The original negotiable shipping documents will be invariably forwarded by the Bank of India, Tokyo, to the concerned importer's bank in India which would be a branch of the State Bank of India or any of the nationalised banks as mentioned in (o) in Annexure I who should release these negotiable set of documents to the importer concerned only after ensuring that the rupee equivalent of the Yen payments made to the Japanese supplier is deposited into Government of India account in terms of the Public Notice No. 74-ITC(PN)|74 dated 31-5-1974 as modified under Public Notice No. 103-ITC(PN)|76 dated 12-10-1976.

The Exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen Payment will be the prevailing composite rate of exchange as laid down in CCI&E Public Notice No. 8-ITC(PN)|76 dated 17-1-1976 or as may be notified by Government from time to time through Public Notices of the CCI&E or through Exchange control circulars of the Reserve Bank of India. Any change in this regard will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amounts due are currently deposited into Government Account before the import documents are handed over to the importers. The importer should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amounts due are correctly deposited into the Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities under exceptional circumstances. In case the importer fails to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further A|P to him may be stopped and the matter reported to the CCI&E so that no further import licence is issued to such an importer. No interest charges are recoverable in respect of imports made by Central Government Departments. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-Deposits and Advances-8443-Civil Deposits—Deposits for purchases etc., abroad-purchase under Grant Aid from the Government of Japan—for 1988-89"—Grant for purchase of the medical equipment and services necessary for the installation/transportation of equipment.

(ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi, indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the Challan or in the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi, or if this is not possible, should be remitted by means of a demand draft obtained from any branch of the State Bank of India or its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks (Drawer) drawn on and made payable to the State Bank of India, Tis Hazari Branch, Delhi-6 (drawee and payee) for credit to Government account as contemplated in Public Notices No. 184-ITC(PN)|68 dated 30-8-1968, No. 233-ITC(PN)|68 dated 24-10-1968 and No. 132-ITC(PN)|71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)|74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)|76 dated 12-10-1976.

(iii) The concerned bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India on account of service charges within seven days after such a demand is made by the Government. While filling in the various columns in the challan it should be ensured by the Importers/their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC(PN)|71 dated 5-10-1971 and also in Public Notice No. 74-ITC(PN)|76 dated 31-5-1974 read with Public Notice No. 103-ITC(PN)|76 dated 12-10-1976 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the Treasury Challans :

- Ministry of Finance 'A|P' (Authorisation to Pay) No. and date.
- Amount of Yen currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- Date of Payment to the Japanese supplier.
- The amount of interest paid and the period for which it has been calculated.
- Total amount deposited.

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the A|P issued by him and also enclosing copies of invoice and shipping documents.

Note : Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payment and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A, Ministry of Finance (DEA), New Delhi is informed immediately thereafter.

(iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite 'S' Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

Section V. Miscellaneous provisions

(i) Reports on the utilisation of the Grant Aid.

The importer should send a monthly report after the A|P has been issued regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the Controller of Aid Accounts and Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi.

The importer should apprise the supplier of any special provisions in the import of goods under this Grant Aid which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

(ii) Disputes

It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for dispute, if any, that may arise between the importer and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure & under "Terms of Payment". Provision dealing with a settlement of disputes be included in the condition of contract.

(iii) Future Instructions

The importer shall promptly comply with any directions, instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the imports and for meeting all obligations under the Grant Aid for 1988-89 from Japan.

(iv) Breach or violation

Any breach or violation of conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

(v) List of Annexure :

Annexure-I—Request for issue of A|P

Annexure-II—Form of A|P.

ANNEXURE I

"REQUEST FOR ISSUE OF THE AUTHORISATION TO PAY"

No.

To

The Controller of Aid Accounts & Audit,
Ministry of Finance,
Department of Economic Affairs,
UCO Bank Building, 1st Floor,
Parliament Street,
New Delhi-110001.

Subject.—Purchase of medical equipment and services necessary, for the installation/transportation of the equipment under the Japanese Grant Aid of Yen 641 million for 1988-89.

Sir,

In connection with the import of above mentioned equipment from Japan under the above mentioned

Grant Aid, we furnish the following particulars to enable you to issue the A|P to the Bank of India, Tokyo in favour of the Japanese suppliers concerned:

- (a) Name and address of Indian importer.
- (b) Number, date and value of the import licence and date upto which it is valid
- (c) Method of procurement whether it is based on direct purchase or limited open tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
- (d) Brief description of the goods.
- (e) Origin of the goods.
- (f) Gross C&F or FOB value of contract (in Yen).
- (g) Amount of Indian agents commission (in Yen), if any, payable in Indian rupees.
- (h) Net C&F or FOB value (in Yen) for which the A|P is required.
- (i) No. & date of the contract with Japanese suppliers.
- (j) Name and address of the Japanese Supplier.
- (k) Payment terms & probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (l) Expected date of completion of deliveries.
- (m) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets each and their disposal).
- (n) Shipment instructions (indicate if transhipment/partshipment permitted or not permitted).
- (o) Name and address of Importer's bank in India.
- (p) Understanding by the importer.—"We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc., of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made properly before taking delivery of the consignment of the goods (material imported). In case of payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign supplier are approved by us and the payments made to the suppliers".

Yours faithfully,

ANNEXURE II

F. No.

Government of India
Ministry of Finance
Department of Economic Affairs

New Delhi, the 198

To

The Bank of India,
Tokyo Branch,
Tokyo (Japan)

Subject : Purchase of equipment and services necessary for the installation/transportation of the equipment under Japanese Grant Aid of Yen 641 million Issue of Authorisation to Pay.

Dear Sir,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated entered into with your Bank, you are hereby authorised to pay an amount not exceeding Yen..... to M/s. _____ as per details given in the appendix.

2. Please advise the Supplier of the fact of receipt of this Authorisation to Pay (A/P) and endorse a copy of this advice to the Government of Japan, Importers Bank, Embassy of India, Tokyo and this Ministry.

3. Payment to the Suppliers in terms of the A/P will be made on the basis of shipping documents as indicated in the Appendix.

4. Banking charges including, charges for handling documents and charges of Overseas Suppliers, Bankers if any payable to you by the importer, will be paid by the Embassy of India, Tokyo.

5. As and when any payment is made by you on the basis of shipping documents presented by the Japanese supplier an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry and the importer's Bank.

6. No amendment to this A/P may be advised in the absence of a specific authority from this Ministry.

7. This A/P will remain valid upto

Yours faithfully,
(.....)
Accounts Officer

Copy forwarded to :—

1. Importer with reference to their letter No. _____ dated _____.

They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner, before taking delivery of the negotiable documents from the Bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign Nationals, the deposits should be made

as soon as the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the Licensing conditions.

2. Importer's Banker They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment of the Japanese suppliers on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amount disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to Japanese suppliers in accordance with the Public Notice No. 8-ITC(PN)76 dated the 17th January 1976 or such other Public Notices as may be issued from time to time. Any change in this rate will be intimated if and when made. It should be ensured that these deposits are made before the original set of import documents are handed over to the importer for Customs Clearance.

These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi indicating Code No. 5130000069 on the right hand corner of the Challan or in the SBI, Tis Hazari, Delhi or remitted by means of a Demand Draft obtained by them from any Branch of the SBI or its subsidiaries or any one of the Nationalised Bank (Drawer) drawn on and made payable to the SBI, Tis Hazari, Delhi-6 (Drawee and Payee). In this connection their attention is also invited to the provisions of the Public Notice No. 233-ITC(PN)68 dated the 24th October, 1968, 132-ITC(PN)71 dated 5-10-71, No. 74-ITC(PN)74, dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)70 dated the 12th October, 1976. The head of account to be credited is "K-Deposits & Advances-8443-CIVIL Deposits-Deposit for purchases etc. aboard purchases under Grant Aid from Government of Japan for 1988-89" under detailed head "641 million grant aid for purchase of the medical equipment and services necessary for installation/transportation of equipment".

One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC(PN)71 dated 5th October 1971 should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

3. The controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance Department of Economic Affairs 1st Floor, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi.

In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases, full particulars of the rupee equivalent deposited alongwith the amount of interest paid and the period for which interest has been calculated should be furnished to this Department.

Banking charges of the Bank of India, Tokyo Branch, including charges of the overseas suppliers, bankers, if any, would be paid by the Embassy of India, Tokyo, on behalf of the importing Deptt. Rupee equivalent of these charges will be calculated in the above manner and deposited in favour of controller of Accounts, Ministry of External Affairs,

New Delhi for this purpose CAA&A will issue suitable advices to the Department.

4. Embassy of India, Tokyo.

5. The Under Secretary (TC), Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.

(_____
Accounts Officer

Licensing Conditions for purchase of Educational Technology equipment and services necessary for installation/transportation of the equipment for Indira Gandhi National Open University (IGNOU) under Japanese Grant Aid for 1988-89 of Yen Six hundred and eleven Million (Yen 611,000,000).

Section I. General Conditions :

(i) The Japanese Grant Aid for 1988-89 of Yen 611 million (C&F) is intended to be used for financing payments to Japanese Suppliers for purchase of educational technology equipment and services necessary for the installation/transportation of the equipment by the Indira Gandhi National Open University (IGNOU).

(ii) The import licence should be issued for an amount not exceeding Yen 672 million (CIF) in favour of the importer, and should bear the superscription "Yen 611 million Japanese Grant Aid for 1988-89". The licence code for the first and second suffix will be "S|JN". No import licence is required for items covered under O.G.L.

(iii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence, except bank charges to the Bank of India, Tokyo which may be remitted through normal banking channels, payment towards Indian Agent's Commission, if any, should be made in Indian rupees to the agents in India. Such payments, however, will form part of the licence value and will, therefore, be charged to the licence.

(iv) The equipment and service should be procured only from Japan/India under this Grant Aid. The purchase order should be placed only on the Japanese suppliers.

(v) The import licence will be issued on CIF basis with validity upto 31-3-1989.

(vi) The contract should provide for payment on cash basis i. e. on presentation of shipping documents by the Japanese suppliers to the Bank of India, Tokyo. It should also provide for the period of delivery as follows :—

"delivery to be completed by 15-3-1989"

(vii) the contract value (C&F)FOB basis) should be expressed in Yen (fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's Commission, if any. In no circumstances the contract value should be expressed in any other currency.

The FOB cost and freight amount should be shown separately but it should be clarified in the contract

itself whether the freight will be payable on actual basis or whether the freight charges indicated therein would be the amount payable irrespective of the actual charges.

(viii) The purchase contract should be entered into only in Japanese Yen with the Japanese nationals or Japanese juridical persons controlled by Japanese nationals.

Section II. The following provisions should be specifically incorporated in the supply contract :—

(i) The contract is arranged in accordance with the Agreement dated the 8th November, 1988 between the Government of India and Government of Japan concerning the Grant Aid of Yen 611 million for 1988-89 and will be subject to the approval of both the Governments.

(ii) Payments to the suppliers shall be made through an 'Authorization to Pay' (A|P) which will be issued by the Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-110001 in favour of the Bank of India, Tokyo under the Japanese Grant Aid for 1988-89.

(iii) The Japanese suppliers agree to furnish such information and documents as may be required by the Government of India on the one hand and the Government of Japan on the other.

(iv) The Japanese supplier agree to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India, at least six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements should be made. In exceptional cases, where the importer require it this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

Section III. Contract Approval by Governments of India and Japan.

(i) As soon as the orders are finalised, the importer should forward to the Under Secretary (TC), Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block, New Delhi, 5 copies of the contract (one original and four photocopies) duly signed by both parties or purchase orders by the Indian importer placed on the Japanese supplier supported by order confirmation in writing by the Japanese supplier or their photo copies complete in all respects together with two copies of the "Request for issue of A|P" in the form at Annex I. The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of contracts or in its price.

(ii) The Ministry of Finance (DEA), Japan section will arrange to send 2 copies of the contract to the Government of Japan for their approval for financing under the Japanese Grant Aid for 1988-89

of Yen 611 million, and one set of the documents mentioned in (i) above will also be sent to the CAA&A and the Embassy of India in Tokyo simultaneously.

(iii) On receipt of the contract approval from the Govt. of Japan, the Japan Section of the Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block will inform the Controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-110001 of the same who will issue an 'Authorisation to Pay' (A|P) to the Bank of India, Tokyo in the form at Annexure II for making payment to the Japanese supplier. Copies of the A|P will be endorsed to the Embassy of India, Tokyo, the importer, importer's Bank in India and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

(iv) On receipt of the Authorisation to Pay (A|P) the Bank of India, Tokyo will intimate the fact of this receipt to the Japanese supplier under intimation to the Government of Japan, Embassy of India, Tokyo, the importer's Bank in India and the CAA&A.

(v) The Japanese supplier shall, after effecting shipment present through his bankers the documents specified in the A|P to the BOI, Tokyo. If the documents are found to be in order, the Bank of India, Tokyo will release the amount specified in the documents to the Japanese supplier through his bankers.

(vi) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for arranging the payment to the Japanese supplier shall be settled by the concerned importer's bank in India by remittance to the BOI, Tokyo through normal banking channel without affecting the Government of India's account.

Section IV Responsibility for rupee deposit.

(i) The original negotiable shipping documents will be invariably forwarded by the Bank of India, Tokyo, to the concerned importer's bank in India which would be a branch of the State Bank of India or any of the nationalised banks as mentioned in (O) in Annexure I who should release these negotiable set of documents to the importer concerned only after ensuring that the rupee equivalent of the Yen Payments made to the Japanese supplier alongwith interest charges thereon calculated at the rate of 12% per annum for the first thirty days and at 18% for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Japanese Supplier to the date of actual rupee deposit, is deposited into Government of India account in terms of the Public Notice No. 31-ITC (PN) |83 dated 10-8-83. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Japanese supplier and also the day on which rupee deposits are made into Government account vide Public Notice No. 74-ITC (PN) |74 dated 31-5-1974 as modified under Public Notice No. 103-ITC (PN) |76 dated 12-10-1976. The exchange rate to be adopted for

computing the rupee equivalent of the Yen payment will be the prevailing composite rate of exchange as laid down in CCI&E Public Notice No. 8-ITC (PN) |76 dated 17-1-76 or as may be notified by Government from time to time through Public Notices of the CCI&E or through Exchange control circulars of the Reserve Bank of India. Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government Account before the import documents are handed over to the importers. The importer should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amounts due are correctly deposited into the Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities under exceptional circumstances. In case the importer fails to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further A|P to him may be stopped and the matter reported to the CCI&E so that no further import licence is issued to such an importer. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-Deposits and Advances—844 Civil Deposits—Deposits for purchases etc., abroad-purchase under Grant Aid from the Government of Japan-for 1988-89". Grant for purchase of the educational technology equipment and services necessary for the installation of the equipment|transportation of equipment by the IGNOU.

(ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi, indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the Challan or in the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi, or if this is not possible, should be remitted by means of a demand draft obtained from any branch of the State Bank of India or its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks (Drawer) drawn on and made payable to the State Bank of India, Tis Hazari Branch, Delhi-6 (drawee and payee) for credit to Government account as contemplated in Public Notices No. 184-ITC (PN) |68 dated 30-8-1968, No. 233-ITC (PN) |68 dated 24-10-1968 and No. 152-ITC (PN) |71 dated 5-10-1971, No. 74, ITC (PN) |74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC (PN) |76 dated 12-10-1976.

(iii) The concerned bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India on account of service charges within seven days after such a demand is made by the Government. While filling in the various columns in the Challan it should be ensured by the Importers|their bankers that the information prescribed in Para 2 of Public Notice No. 132-ITC (PN) |71 dated 5-10-1971 and also in Public Notice No. 74-ITC (PN) |74 dated 31-5-1974 read with Public Notice No. 103-ITC (PN) |76 dated 12-10-1976 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars

should invariably be furnished in the Treasury Challans :

- (a) Ministry of Finance 'A|P' (Authorisation to Pay) No. and date.
- (b) Amount of Yen Currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- (c) Date of payment to the Japanese supplier.
- (d) The amount of interest paid and the period for which it has been calculated.
- (e) Total amount deposited.

(Interest is to be calculated for the period from the date of payment to the Japanese supplier upto inclusive of the date of deposit of rupee equivalents into Government Account)

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the A|P issued by him and also enclosing copies of invoice and shipping documents.

Note : Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payment and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A, Ministry of Finance (DEA), New Delhi is informed immediately thereafter.

(iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

Section V the Miscellaneous provisions

(i) Reports on the utilisation of the Grant Aid

The importer should send a monthly report after the A|P has been issued regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the Controller of Aid Accounts and Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi.

The importer should apprise the supplier of any special provisions in the import of goods under this Grant Aid which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

(ii) Disputes

It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for dispute, if any, that may arise between the importer and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-I under "Terms of Payment". Provision dealing with a settlement of disputes be included in the condition of contract.

(iii) Future Instructions

The importer shall promptly comply with any directions, instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the imports and for meeting all obligations under the Grant Aid for 1988-89 from Japan.

(iv) Breach or violation

Any breach or violation of conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

(v) List of Annexures :

Annexure-I : Request for issue of A|P

Annexure-II : Form of A|P.

ANNEXURE-I

"Request for Issue of the Authorisation to pay"

No.

To

The Controller of Aid Accounts & Audit,
Ministry of Finance,
Department of Economic Affairs,
UCO Bank Building, 1st Floor,
Parliament Street, New Delhi-110001

Subject : Import of educational technology equipment and services necessary for the installation/transportation of the equipment under the Japanese Grant Aid of Yen 611 million for 1988-89

Sir,

In connection with the import of above mentioned equipment from Japan under the above mentioned Grant Aid, we furnish the following particulars to enable you to issue the A|P to the Bank of India, Tokyo in favour of the Japanese Supplier concerned :—

(a) Name and address of Indian Importer.

- (b) Number date and value of the import licence and date upto which it is valid.
- (c) Method of procurement whether it is based on direct purchase or limited open tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
- (d) Brief description of the goods.
- (e) Origin of the goods.
- (f) Gross C&F or FOB value of contract (in Yen).
- (g) Amount of Indian agents commission (in Yen), if any, payable in Indian rupees.
- (h) Net C&F or FOB value (in Yen) for which the A|P is required.
- (i) No. & date of the contract with Japanese Suppliers.
- (j) Name & address of the Japanese Supplier
- (k) Payment terms & probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (l) Expected date of completion of deliveries
- (m) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
- (n) Shipment instructions (indicate if transhipment/partshipment permitted or not permitted).
- (o) Name and address of Importer's bank in India.
- (p) Undertaking by the importer :—“We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc. of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (Material imported). In case of payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the payments made to the suppliers.”

Yours faithfully,

ANNEXURE-II

No. F.

GOVERNMENT OF INDIA

MINISTRY OF FINANCE

Department of Economic Affairs

New Delhi, the

To

The Bank of India,
Tokyo Branch,
Tokyo (Japan)

Subject :—Import of educational technology equipment and services necessary for the Installation/transportation of the equipment under Japanese Grant Aid of Yen 611 million for 1988-89. Issue of Authorisation to Pay.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated _____ entered into with your Bank, you are hereby authorised to pay an amount not exceeding Yen _____ to M/s. _____ as per details given in the appendix.

2. Please advise the Supplier of the fact of receipt of this Authorisation to Pay (A|P) and endorse a copy of this advice to the Government of Japan, Importers Bank, Embassy of India, Tokyo and this Ministry.

3. Payments to the suppliers in terms of the A|P will be made on the basis of shipping documents as indicated in the Appendix.

4. Banking charges including, charges for handling documents and charges of Overseas Suppliers, Bankers if any payable to you by the importer, will be settled directly by the importer's bank.

5. As and when any payment is made by you on the basis of shipping documents presented by the Japanese supplier an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry and the importer's bank.

6. No amendment to this A|P may be advised in the absence of a specific authority from this Ministry

7. This A|P will remain valid upto _____.

Yours faithfully,

(_____)

Accounts Officer

Copy forwarded to :—

1. Importer ————— with reference to their letter No. ————— dated —————.

They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner, before taking delivery of the negotiable documents from the Bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign Nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the Licensing conditions.

2. Importer's Banker————. They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the Japanese suppliers on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amount disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to Japanese suppliers in accordance with the Public Notice No. 8-ITC (PN) |76 dated 17-1-1976 or such other Public Notices as may be issued from time to time. Interest @ 12% per annum for the first thirty days and at the rate of 18% per annum for the period excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier and the date on which the rupee equivalents are deposited into the Govt. account, is required to be deposited into the Government of India account in terms of the Public Notices No. 31-ITC (PN) |83 dated 18-1-83. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the supplier and also the date on which rupee deposit is made into Government. (Any change in this rate will be intimated if and when made). It should be ensured that these deposits are made before the original set of import documents are handed over to the importer for Customs Clearance.

These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the Challan or in the S.B.I., Tis Hazari, Delhi or remitted by means of a Demand Draft obtained by them from any Branch of the S.B.I. or its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks (Drawer) drawn on and made payable to the S.B.I., Tis Hazari, Delhi-6 (Drawee

and Payee). In this connection their attention is also invited to the Provisions of the Public Notices No. 233-ITC(PN) |68 dated 24-10-1968, No. 132-ITC (PN) |71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC (PN) |74 dated 31-5-1974 and 103-ITC (PN) |76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is 'K-Deposits & Advances-8443 Civil Deposits—Deposit for purchases etc. abroad 'Purchases under Grant Aid from Government of Japan for 1988-89' under detailed head "Yen 611 million grant aid for purchase of the educational technology equipment and services necessary for installation/transportation of the equipment".

One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash of the RBI, New Delhi or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC (PN) |71 dated 5-10-1971 should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), 1st floor, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-1.

In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases, full particulars of the rupee equivalents deposited alongwith the amount of interest paid and the period for which interest has been calculated should be furnished to this Department.

The banking charges, of the Bank of India, Tokyo Branch, including charges of the overseas Suppliers bankers, if any, should be settled directly between the Indian Bank and the Bank of India, Tokyo Branch.

3. Embassy of India, Tokyo.

4. The Under Secretary (TC), Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.

()
Accounts Officer